Industrial Estate at Badli

4127. { Shri Ram Krishan Gupta: Shri Ajit Singh Bhatinda:

Will the Minister of **Community Development and Co-operation** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that work in setting up an Industrial Estate at Badli (Delhi territory) has been postponed; and

(b) if so, the reasons therefor?

The Deputy Minister of Community Development and Co-operation (Shri B. S. Murthy): (a) No. Establishment of an Industrial Estate near Badli Railway Station in Alipur Block of Delhi Territory is in progress. The Ministry of Commerce and Industry have already released an amount of Rs. 14,495.75 nP. to Delhi Administration for payment of compensation for acquisition of land. The site plan has already been approved and estimates are under preparation.

(b) Does not arise.

पूना के निकट मालगाड़ी का पटरी से उतर जाना

४१२८. **श्री आसर :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि १५ अप्रैल, १९५९ की रात को दक्षिण रेलवे की एक मालगाड़ी पूना के निकट चोरची अलंदी में पटरी से उत्तर गई थी;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे और इसके परिणामस्वरूप रेलवे को कितनी हानि हुई तथा माल का कितना नुक्सान हुआ;

(ग) क्या यह सच है कि इस दुर्घटना के बाद काफी देर तक यातायात रुका रहा;

(घ) क्या यह सच है कि यातायात को चालू करने के लिये राज्य परिवहन की बसों से सहायता ली गई थी; और

(ङ) यदि हां, तो इसका क्या कारण है, कितनी बसें प्रयोग में लाई गईं और उन पर कितना व्यय हुआ ।

रेलवे उपमंत्री (श्री सें० वें० रामस्वामी): (क) जी हां, १५-४-५९ को रात में लगभग १० बजकर ३८ मिनट पर जब घोरपुरी से कोरेगाँव जाने वाली नं० २७८२ डाउन मालगाड़ी दक्षिण रेलवे के पूना-कोरेगांव सेक्शन में अलंदी और गोरोबी स्टेशनों के बीच जा रही थी, ती मील २५९ पर इंजन से २३वें से लेकर २८वें तक ६ डिब्बे पटरी से उतर गये ।

(ख) जाहिरा तौर पर दुर्घटना की वजह यह मालूम होती है कि एक डिब्बे की लदाई में संतुलन का ध्यान नहीं रखा गया था; लेकिन इस मामले की जांच की जा रही है ।

लगभग ४८०० रुपये की रेल सम्पत्ति का नुक्सान हुआ । गाड़ी से जो माल जा रहा था, उसको कोई नुक्सान नहीं पहुंचा ।

(ग) से (ङ). लगभग २० घंटे तक गाड़ियों का आना-जाना रुका रहा । यह दुर्घटना एक "कटिंग" में हुई थी, इसलिये सोचा गया कि बाद में आने वाली गाड़ियों के मुसाफिरों को यदि बसों से दुर्घटना के आस-पास के स्टेशनों तक पहुंचा दिया जाये, तो वे जल्दी पहुंच जायेंगे । इसलिये राज्य परिवहन अधिकारी (State Transport Authority) से १० बसें मांगी गयी । लेकिन बसें देर से पहुंचीं, इसलिये उनका उपयोग नहीं किया गया । राज्य परिवहन अधिकारियों से अभी कोई बिल नहीं मिला है ।